



# महाराष्ट्र शासन राजपत्र

## असाधारण भाग सात

वर्ष ११, अंक ५]

बुधवार, मार्च १९, २०२५/फाल्गुन २८, शके १९४६

[पृष्ठ ७, किंमत : रुपये ४७.००

असाधारण क्रमांक ५

प्राधिकृत प्रकाशन

अध्यादेश, विधेयके व अधिनियम यांचा हिंदी अनुवाद (देवनागरी लिपी)

महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय

महाराष्ट्र विधानसभा में दिनांक १९ मार्च, २०२५ ई.को. पुरःस्थापित निम्न विधेयक महाराष्ट्र विधानसभा नियम ११७ के अधीन प्रकाशित किया जाता है :-

L. A. BILL No. XXIV OF 2025.

A BILL

FURTHER TO AMEND THE MAHARASHTRA  
MOTOR VEHICLES TAX ACT.

विधानसभा का विधेयक क्रमांक २४ सन् २०२५।

महाराष्ट्र मोटर वाहन कर अधिनियम में अधिकतर संशोधन करने संबंधी विधेयक।

सन १९५८ का ६५। संशोधन करना इष्टकर है; अतः भारत गणराज्य के छिहत्तरवें वर्ष में, एतद्वारा, निम्न अधिनियम अधिनियमित किया जाता है :—

१. (१) यह अधिनियम महाराष्ट्र मोटर वाहन कर (संशोधन) अधिनियम, २०२५ कहलाए।

संक्षिप्त नाम और  
प्रारम्भण।

(२) यह ऐसे दिनांक पर प्रवृत्त होगा जिसे राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करें।

सन् १९५८ का  
६५ की धारा ३ में  
संशोधन।

२. महाराष्ट्र मोटर वाहन कर अधिनियम (जिसे इसमें आगे, “मूल अधिनियम” कहा गया है) की धारा ३ की,—

सन् १९५८  
का ६५।

(१) उप-धारा (१ग) के परंतुक में, “२० लाख रुपयों” अंकों और शब्दों के स्थान में, “तीस लाख रुपयों” शब्द रखे जायेंगे;

(२) उप-धारा (१घ) के द्वितीय परंतुक में, “२० लाख रुपयों” अंकों और शब्दों के स्थान में, “तीस लाख रुपयों” शब्द रखे जायेंगे ;

(३) उप-धारा (१च) के पश्चात् निम्न उप-धारा जोड़ी जायेगी, अर्थात् :—

“(१छ) उप-धारा (१) और (१च) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, राज्य में सन्निर्माण कार्यों के लिए उपयोगी सभी मोटर वाहनों जैसे कि, क्रेन, क्रॉम्प्रेसर्स, प्रोजेक्टर या खनित्र और भार रहित रजिस्ट्रीकृत भार लदे, जिसका भार तोलन ७५०० किलोग्राम से अनधिक है सामान या सामग्री की यातायात करनेवाले वाहनों, यदि, वह महाराष्ट्र मोटर वाहन कर (संशोधन) अधिनियम, २०२५ के प्रारम्भण के दिनांक पर या के पश्चात् यदि रजिस्ट्रीकृत किए गए हैं, ऐसे वाहनों को आजीवन के लिए एक मुश्त कर, छठी अनुसूची में विनिर्दिष्ट दरों पर उद्ग्रहीत किया जायेगा तथा संग्रहीत किया जायेगा।” ।

सन् २०२५  
का महा. ।

सन् १९५८ का  
६५ की धारा ४  
में संशोधन।

३. मूल अधिनियम की धारा ४ की उप-धारा (२) में,—

(१) “या (१च)” शब्दों, अंकों और अक्षरों के स्थान में, “(१च) या (१छ)” शब्द, अंक और अक्षर रखे जायेंगे ;

(२) खण्ड (क) में, “और (१च)” शब्दों, अंकों और अक्षरों के स्थान में, “और उप-धारा (१छ)” में निविष्ट किये जायेंगे।

सन् १९५८ का  
६५ की धारा १६ में  
संशोधन।

४. मूल अधिनियम की धारा १६ की, उप-धारा (१) के खण्ड (ग), के उप-खण्ड (तीन) के स्थान में “या, यथास्थिति, उप-धारा (१-च)” शब्दों, अंकों और अक्षरों के स्थान में, “(१ च) या, यथास्थिति, (१छ)” शब्द, अंक और अक्षर रखे जायेंगे।

सन् १९५८ का  
६५ की तृतीय  
अनुसूची में  
संशोधन।

५. मूल अधिनियम से संलग्न तृतीय अनुसूची के भाग एक के स्तंभ (२) में,—

(१) प्रविष्टि (३) की,—

(क) उप-प्रविष्टि (क) में, “वाहन की लागत के ७ प्रतिशत” शब्दों और अंकों के स्थान में, “वाहन की लागत के ८ प्रतिशत” शब्द और अंक रखे जायेंगे;

(ख) उप-प्रविष्टि (ख) में, “वाहन की लागत के ८ प्रतिशत” शब्दों और अंकों के स्थान में, “वाहन की लागत के ९ प्रतिशत” शब्द और अंक रखे जायेंगे;

(ग) उप-प्रविष्टि (ग) में, “वाहन की लागत के ९ प्रतिशत” शब्दों और अंकों के स्थान में, “वाहन की लागत के १० प्रतिशत” शब्द और अंक रखे जायेंगे;

(२) प्रविष्टि (३) के पश्चात्, स्तंभ (२) में, निम्न प्रविष्टि जोड़ी जायेगी, अर्थात्,—

“(४) बैटरी संचालित मोटर वाहन : यदि वाहन की लागत ३० लाख रुपयों से अधिक है, वाहन की लागत के ६ प्रतिशत।” ।

सन् १९५८ का  
६५ की छठी  
अनुसूची को  
जोड़ना।

६. मूल अधिनियम से संलग्न पाँचवी अनुसूची के पश्चात् निम्न अनुसूची जोड़ी जायेगी, अर्थात् :—

### छठी अनुसूची

[धारा ३ (१छ) देखिए]

मोटर वाहनों का विवरण (१)	रजिस्ट्रीकरण के समय पर एकमुश्त कर (२)
(१) संनिर्माण के लिए उपयोगी कोई मोटर वाहन जैसे की, क्रेन, कॉम्प्रेसर्स, प्रोजेक्टर या खनित्र।	मोटर वाहन की लागत के ७ प्रतिशत,
(२) रजिस्ट्रीकृत भार लदे जिसका भारतोलन ७५०० किलोग्राम से अनधिक है, के हल्के सामान या सामग्री की यातायात करने वाले वाहन।	मोटर वाहन की लागत के ७ प्रतिशत।”।

**उद्देश्यों और कारणों का वक्तव्य**

वर्ष २०२५-२६ के बजट अभिभाषण में अंतर्विष्ट प्रस्तावों को प्रभावी बनाने की दृष्टि से, महाराष्ट्र मोटर वाहन कर अधिनियम (सन् १९५८ का ६५) के अधीन उद्ग्रहीत मोटर वाहन कर के संबंध में, सरकार, उक्त अधिनियम की धार ३ और तृतीय अनुसूची में यथा निम्न संशोधन करना तथा नई अनुसूची जोड़ना इष्टकर समझती है :—

(१) मोटर साइकिल, तिपहिया वाहन और ओम्नी बस के लिए एकमुश्त कर की अधिकतम सीमा तीस लाख रुपयों तक बढ़ाना;

(२) संपीडित प्राकृतिक गैस या तरलीकृत पेट्रोल गैस पर चलने वाले वाहनों पर कर का दर एक प्रतिशत तक बढ़ाना;

(३) तीस लाख रुपयों से अधिक मूल्य के इलेक्ट्रिक वाहनों पर वाहनों की लागत के छह प्रतिशत की दर पर कर उद्ग्रहीत करना;

(४) संनिर्माण के लिए उपयोगी वाहनों जैसे कि क्रेन, कॉम्प्रेसर्स, प्रोजेक्टरों और खनित्रों, पर रजिस्ट्रीकरण के समय पर वाहनों की लागत सात प्रतिशत की दर से एकमुश्त कर उद्ग्रहीत करना;

(५) रजिस्ट्रीकृत भार लदे वाहनों जिसका भारतोलन ७५०० से अनधिक है, के सामानों या सामग्री की यातायात करने के लिए उपयोगी वाहनों की लागत के सात प्रतिशत की दर पर एकमुश्त कर उद्ग्रहीत करना; और

(६) कतिपय अन्य पारिणामिक संशोधनों को करना।

२. प्रस्तुत विधेयक का आशय उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करना है।

मुंबई,

दिनांक : १८ मार्च, २०२५।

**प्रताप सरनाईक,**

परिवहन मंत्री।

**प्रत्यायुक्त विधान संबंधी ज्ञापन**

प्रस्तुत विधेयक में, विधायी शक्ति के प्रत्यायोजन के लिए निम्न प्रस्ताव अंतर्ग्रास्त है, अर्थात् :—

**खण्ड १(२).**—इस खण्ड के अधीन राज्य सरकार को जिस दिनांक पर अधिनियम, प्रवर्तमान होगा वह दिनांक **राजपत्र** में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा नियत करने की, शक्ति प्रदान की गई है।

२. विधायी शक्ति के प्रत्यायोजन के लिए, उपरोल्लिखित प्रस्ताव सामान्य स्वरूप के है।

**वित्तीय ज्ञापन**

प्रस्तुत विधेयक, महाराष्ट्र मोटर वाहन कर अधिनियम (सन् १९५८ का ६५) की धारा ३ और तृतीय अनुसूची और जोड़ी गयी नवीन अनुसूची में संशोधन करने का प्रस्तावित करता है, जिससे वित्तीय वर्ष २०२५-२०२६ के बजट भाषण में अंतर्विष्ट प्रस्तावों को प्रभावी बनाया जा सके। राज्य विधानमंडल के अधिनियम के रूप में उसकी अधिनियमिति पर राज्य की समेकित निधि में से आवर्ती या अनावर्ती व्यय अंतर्विष्ट होने संबंधी विधेयक में कोई प्रावधान नहीं है।

(यथार्थ अनुवाद),

**विजया डोनीकर,**

भाषा संचालक,

महाराष्ट्र राज्य।

**भारत संविधान के अनुच्छेद २०७ के अधीन राज्यपाल की अनुशंसा**  
(महाराष्ट्र शासन, विधी व न्याय विभाग, आदेश कि प्रत)

भारत संविधान के अनुच्छेद २०७ के खंड (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महाराष्ट्र राज्यपाल महोदय, महाराष्ट्र मोटार वाहन कर (संशोधन) विधेयक, २०२५ ई. पर पूरःस्थापना करने की अनुशंसा करते हैं।

**विधान भवन :**

मुंबई,

दिनांकित : १९ मार्च, २०२५।

**जितेंद्र भोळे,**

सचिव (१) (कार्यभार),

महाराष्ट्र विधानसभा।